

Wishing everyone Greetings for a Powerful & Loveful Maha Shiv Jayanti!





May the souls of the world recognize him and have their god fatherly birthright of Mukti (Liberation) and Jeeven mukti (Liberation in life).

AWAKE AWAKE .. GOD HAS COME TO RE-ESTABLISH HEAVEN ON EARTH. RECOGNIZE HIM AND MAKE YOUR DESTINY.

NOW OR NEVER

Dear divine brothers and sisters,

On this auspicious occasion of **Mahashivratri**, which is celebrated in the memory of divine incarnation of the incorporeal Supreme soul, Supreme Father called as **God Shiva** in Hindu religion, **Allah or Khuda** in Muslim and Islam, **God Father** in Christianity, **Wahe Guru** in Sikh, **Jehovah** in Jewish etc, i take pleasure to share this message about his recarnation at the confluence age i.e end of this old world order (Kaliyuga or the Iron age) and beginning of the new cycle (Satyuga or the Golden age).

God has come to restart the new world order by re-establishing the one eternal deity religion through the corporeal medium of Prajapita Brahma or Adidev (the first deity – the Adam) by teaching Godly knowledge and Ancient Rajyoga. – True Bhagvad Gita which no human beings can impart. All the souls irrespective of any religion are openly invited for this free godly education in any of the Brahmakumaris world spiritual university for purification of souls and imbibing divine virtues so that every souls don't miss this one time golden opportunity cum offer for great transformation. Lastly, claim your god fatherly birth right of Mukti (salvation in soul world) and Jeeven Mukti (bond free life in heaven) before the massive destruction- the great Mahabarata world war take place in reality. Now or Never.

In connection to God revelation and his divine task sharing with you 4 important Project compilations dedicated to Supreme God father who gave me golden opportunity to be part of his divine godly task and medium for God revelation by encouraging me time to time for knowledge churning. This knowledge can be considered as the essence of godly knowledge and will certainly prove useful to all soul children of God who has been devoid of nectar of godly knowledge so far. Do read it at least once and cooperate in sharing with other thirsty souls so that they also be equally benefitted.

- 1) Kaliyuga Satyuga Contrast Eng 2) Hatha yoga Rajyoga Contrast Eng
- 3) Huge contrast Human and God sayings Eng
- 4) Soul, Supreme soul, Nature Contrast Eng & Hindi

Project 1: Kaliyuga – Satyuga Contrast: God father Shiva has said many times in sakar murlis (godly versions) that there is too much sorrow in the old iron aged (Kaliyuga) world. List out how many types of sorrow exist in this iron aged land of sorrow. Try to make a list. Make a list of 25-30 main sorrows. In one murli it is mentioned to have list of at least 101. As per godly shrimat or dictates, not only an attempt is made to list out sorrows of the present hellish world but in contrast to them, the land of happiness or the heavenly joy has also been listed out. Hope this will clear the contrast between present vicious world of sorrow and future new world of happiness and instill disinterest in the present world and inspire you to attain the birthright in the future golden aged world.

Project 2: Hathayoga – Rajyoga Contrast: In the context of Rajyoga, God father Shiva has stated in sakar murlis (godly versions) that no hatha yogi sanyasi can teach the ancient Rajyoga of Bharat. This is taught only by the incorporeal Supreme soul, the Supreme Father at the end of Iron age and beginning of Golden age, i.e the Confluence age, through the body of Brahma for the establishment of new Golden aged world. Further, Shiv Father has given the shrimat or dictates to write down the difference between these two and make their contrast clear. Through this project, the contrast between the two is depicted and it is been substantiated how Rajyoga is better than Hathayoga. I hope you too will claim your future heavenly kingdom birthright by absolving your sins of innumerable births through the practice of easy Rajyoga taught by the Supreme Father Shiva himself.

Best regards
On god fatherly service

BK Anil Kumar

महाशिवरात्रि के इस पावन पर्व पर जो निराकार परमपिता परमात्मा के दिव्य अवतरण के यादगार स्वरुप मनाया जाता है जिन्हें हिन्दू धर्म में परमात्मा शिव, मुस्लिम व इस्लाम में अल्लाह अथवा खुदा, क्रिस्चियन में गाँड फादर, सिख धर्म में वाहे गुरु, यहूदी में जेवोहा इत्यादि नामों से पुकारते हैं उनका अवतरण इस संगम युग अर्थात कलियुग अंत और सतयुग आदि में हो चुका है यह सन्देश साझा करते हुआ मुझे अति हर्ष हो रहा है।

परमात्मा प्रजापिता ब्रह्मा वा आदिदेव के साकार माध्यम से ईश्वरीय ज्ञान एवं प्राचीन राजयोग - वास्तविक भगवद गीता की शिक्षा द्वारा एक आदि सनातन देवी देवता धर्म की पुनर्स्थापना करके पुनः नए विश्व व्यस्था का शुभारम्भ कर रहे है जो कोई भी मानव आत्मा नहीं कर सकती । सभी आत्माएं चाहे कोई भी धर्म के हों उन्हें इस ईश्वरीय पढाई द्वारा आत्मा को पावन बनाने व दिव्य गुण धारण हेतु खुला निमंत्रण है जो वे किसी भी ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय में निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं ताकि हर आत्मा महापरिवर्तन के इस one time स्वर्णिम अवसर को ना चुके । आखिर में, महाभारत विश्व युद्ध द्वारा महाविनाश की वास्तविकता के पहले मुक्ति और जीवनमुक्ति का अपना ईश्वरीय जन्मसिद्ध अधिकार प्राप्त कर लें । अभी नहीं तो कभी नहीं..

परमात्म प्रत्यक्षता एवं उनके दिव्य कर्तव्य के सन्दर्भ में ४ महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट संग्रह परमिता परमात्मा को अर्पित करते हुए साझा कर रहा हूँ जिन्होंने मुझे अपने दिव्य ईश्वरीय कार्य में सुनहरा अवसर देकर समय प्रति समय ज्ञान मंथन के लिए प्रोत्साहित करके परमात्म प्रत्यक्षता के बेहद कार्य में निमित बनाया। यह ज्ञान ईश्वरीय ज्ञान का सार है और यह सभी ईश्वरीय संतानों को लाभान्वित करेगा जो ईश्वरीय ज्ञान अमृत से अब तक वंचित हैं। इसे एक दफा तो अवश्य पढ़े और दूसरी प्यासी आत्माओं के साथ भी शेयर कर उन्हें भी लाभ पहंचाने में सहयोगी बनें।

- 1) Kaliyug Satyug Contrast हिंदी
- 2) Hath yog Rajyog Contrast हिंदी
- 3) Huge contrast Human and God sayings हिंदी
- 4) Soul, Supreme soul, Nature Contrast हिंदी & Eng

Project 1: Kaliyuga – Satyuga Contrast: साकार मुरलीयों में शिवबाबा ने कई बार कहा है कि इस कलियुगी पुरानी दुनिया में अति दुःख है । दुःखों की लिस्ट निकालो किस किस प्रकार के दुःख हैं इस कलियुगी दुःखधाम में । तुम कोशिश करो लिस्ट बनाने की । २५ - ३० मुख्य दुःखों की बातें निकालो । एक मुरली में कहा है कि कम से कम १०१ की लिस्ट तो जरुर हो । शिवबाबा के इस श्रीमत अनुसार यहाँ इस प्रोजेक्ट द्वारा न सिर्फ वर्तमान नारकीय दुनिया के दुःखों की लिस्ट निकालने का प्रयास किया गया है बल्कि उस दुःख के कंट्रास्ट में सुखधाम अथवा स्वर्ग के सुखों की लिस्ट भी निकाली गयी है । आशा करता हूँ इससे आप को वर्तमान पुरानी विकारी दुःख की दुनिया और भविष्य नयी सुख की दुनिया में अंतर स्पष्ट होकर वर्तमान दुनिया से वैराग्य और भविष्य स्वर्णम दुनिया में जनमसिद्ध अधिकार प्राप्त करने की प्रेरणा मिलेगी ।

Project 2: Hathayoga – Rajyoga Contrast: साकार मुरलीयों में शिवबाबा ने राजयोग के सन्दर्भ में कहा है कि कोई भी हठयोगी सन्यासी अथवा मनुष्य भारत का प्राचीन राजयोग सिखला नहीं सकता । यह तो निराकार परमपिता परमात्मा ही किलयुग अंत और सतयुग आदि अर्थात संगमयुग में प्रजापिता ब्रह्मा तन द्वारा नयी सतयुगी दुनिया के स्थापनार्थ सिखलाते हैं । इसके आगे शिवबाबा ने हठयोग और राजयोग का कंट्रास्ट लिखकर इन दोनों के भेद को स्पष्ट करने की श्रीमत दी है । इस प्रोजेक्ट द्वारा इन दोनों के अंतर को दर्शाया गया है और राजयोग किस कारण से हठयोग से श्रेष्ठ है यह सिद्ध किया गया है । आशा करता हूँ आप भी स्वयं शिव पिता परमात्मा द्वारा सिखाये गए सहज राजयोग के अभ्यास द्वारा अपने जन्म जन्मान्तर के विकर्म विनाश कर भविष्य स्वर्गीय राज्य अधिकार प्राप्त करेंगे ।

Best regards
On god fatherly service

BK Anil Kumar

(9224467071 - pathakau71@gmail.com for earlier other projects)